

पुण्य सालिला सरयू मैथा की नित्य आरती कर प्राचीन परंपरा को निभा रहे



अवधनामा संवाददाता

ही सुराना स्थान है। रामायण और वाराणसी के रामायण में भी इस स्थान की चर्चा है। वहां पर सरयू आरती के कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। निय सरयू आरती का कार्यक्रम एक दरेशम अयोध्या पहुंचे। जहां वह प्राचीन राजघाट पर सरयू आरती में बतारे मुख्य अंतिथ सम्मिलित हुए। सर्वप्रथम बृजभूषण शरण सिंह ने गोदुध से सरयू मैथा का दुर्घाभिषेक किया। उक्ते बाद दीपदान कर प्रतिपादने से दिव्य महाआरती जारी। महाआरती से सरयू आरती का दुर्घाभिषेक किया। उक्ते बाद दीपदान कर प्रतिपादने से दिव्य महाआरती जारी। महाआरती से सरयू का प्राचीन राजघाट तट रोशन रहा। इस मौके पर सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि यह प्राचीन राजघाट बहुत

संसद में सवाल बिका हुआ

जब सोमनाथ चटर्जी लोकसभा अध्यक्ष थे, तब 11 संसद आरोपित हुए थे कि वे नकद कबूल कर संसद में सवाल पूछते थे। प्रथमद्वारा संसद भ्रष्टाचार में सलिस पाए गए, नीतीजतन स्पीकर ने उनकी संसदी खारिज कर दी थी। उसे भाजपा के संसदी भी थे। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए समकारी थी और डॉ मनोजन थिंग देश के प्रधानमंत्री थी। इस मामल पर संसद के भीतर और डॉ वाहर खबर होंगामा मचा था। दरअसल वह एक मीडिया ऑपरेशन था, जिसमें छिपे कैमे से वह भ्रष्टाचार के क्रिकोड़ गया था। मामला सर्वोच्च अदालत के तक पहुंचा, लेकिन उसने स्पीकर के संवेदनानिक अधिकार और निर्णय के चुनौती देने वाली याचिकाएं स्वीकार नहीं कीं और संसदी बहाल नहीं हो सकी। उस संसदीं में से सवाल ही कोई संसद नया चुनौत जीत कर लोकसभा में वापसी कर पाया था! स्पीकर का वह निर्णय एक उदाहरण बन गया। ऐसा ही मामला एक बार फिर स्पीकर ओम बिरला तक पहुंचा है। भाजपा संसद निश्चिकत दुबे के गंभीर आरोप हैं कि तृष्णाूल कांग्रेस की संसद महुआ मोड़ा सदन में अडाणी समूह पर प्रयोगित सवाल पूछती रही है। गाँधी सुरक्षा और संसद की संवेदनशीलता को दांव पर रखने वाला तथ्य वह है कि संसद के तो पर महुआ की ई-मेल अर्थात् और पासवर्ड का इस्तेमाल दुर्बल भैंडे उद्योगपति दर्शन हीरानंदनी करते रहे हैं। वह ही अडाणी पर सवाल बनाते रहे हैं और लोकसभा को महुआ के नाम से भेजते रहे हैं।

यह गोपनीयता और संसदीय सुरक्षा का घोर उल्लंघन है, लिहाजा अपराध भी है। अब लोकसभा की आचरण समिति इन आरोपों की जांच कर रही है। संसद निश्चिकत दुबे और महुआ दोनों से ही सवाल-जवाब किए जाएं। इस संठानांत का महत्वपूर्ण आयम यह है कि डोगोपति हीरानंदनी ने संसद महुआ को 2 करोड़ रुपए नकद भी दिए। उनकी धरेलू और विदेश यात्राओं के खर्च उड़ाए। संसद के नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास की परम्परा और उसका नीतीकरण भी कराया। सरकारी आवासों में ऐसा काम सकारा एजेंसींही करती रही है। फिर संसद ने उद्योगपति से पैसा ब्यांग लगवाया? हीरानंदनी को बेशकीय तोहफे भी दिए। संभव है कि दोनों और यात्रावालों में व्यापक की प्रतिद्वंद्विता हो। लिहाजा संसद के जरिए अडाणी समूह को बेनकाम किया जा रहा है! उद्योगपति ने वह भी खुलासा किया है कि सासांस महुआ बेहद महत्वाकांक्षी है। उड़ेने अडाणी समूह को निशान बनाया, लेकिन वह प्रधानमंत्री मोड़ी की छवि दागदार करना चाहती थीं। अडाणी से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज संसद ने विष्क के अन्य नेताओं से भी साझा किए थे, ताकि प्रधानमंत्री के खिलाफ एक संगठित अधियान चलाया जा सके। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल समाने नहीं आया है। तेज-तरंग भाजपा संसद ने यह शिकायत लोकपाल में भी दर्ज कर दी है।

लोकसभा संचालन अधिकार और गाँधी सुरक्षा विज्ञान केंद्र (एनआईसी) ने अपनी प्राथमिक जांच कर ली होकी कि आरोपित संसद का 'लॉग इन' कहां से किया गया? वह देश के भीतर या विदेश में किस शहर, किस स्थान से इस्तेमाल किया गया? संचार की अत्याधिकनक प्रैद्योगिकी इनका आसानी से खुलासा कर सकती है। हम तृष्णाूल कांग्रेस की संसद पर चर्चा किए गए और आरोपों और उद्योगपति के साथ उनकी संठानांत, भृष्ट मिलीभागत की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन मामला संसद पर चर्चा के खिलाफ आपाधिक सज्जिका का भी मामला है और संसदीय गोपनीयता भंग करने का अपराध समाने नहीं आया है। लिहाजा हम लेखण विष्क के अन्य नेताओं से भी कार्य प्रारंभ करते हैं और गमली और उसका कर्तव्य के खिलाफ एक संगठित अधियान चलाया जा सके। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि अडाणी समूह को निशान बनाया, लेकिन वह प्रधानमंत्री मोड़ी की छवि दागदार करना चाहती थीं। अडाणी से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज संसद ने विष्क के अन्य नेताओं से भी साझा किए थे, ताकि प्रधानमंत्री के खिलाफ एक संगठित अधियान चलाया जा सके। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन 'अडाणी-विरोध' के पक्ष में नहीं रही है, लिहाजा कई बार संसद को डांट भी चुकी है। अब भी इस रहस्यमाला पर ममता बनर्जी बेहद महत्वाकांक्षी है और विष्क का भी कोई महत्वपूर्ण बगाल नाम से खुलासा करने वाली चाहती है। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बगाल की मुख्य

दीपावली से पहले कर विभाग में तैनात पुलिसकर्मियों का तबादला

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदियनाथ के निर्देश के बाद राज्य कर विभाग ने कर चोरी रोकने की कार्रवाई और तेज कर दी है। इस स्पॉलिएशन में विभाग के विभिन्न जानों में तैनात 20 पुलिसकर्मियों का तबादला दूसरे जोनों में किया गया है। इन्हें आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, कानपुर, लखनऊ, सहारनपुर, बैलो, इटावा, मेरठ, बिजनौर, मुरादाबाद, वाराणसी, मीराजपुर, नोएडा, गजियाबाद, बुलनदशहर, गोरखपुर, बादा, झासी व प्रगांगराज और आजमगढ़ जौन में पहली नवंबर से कार्रवाई करने के आदेश जारी किए गए हैं।

कर चोरी रोकने के लिए सचल दलों का गठन : कर चोरी रोकने के लिए विभाग द्वारा सचल दलों का गठन किया गया है। इन्हीं के द्वारा जौस्टी की मौद्दों में

■ सीएम योगी के निर्देश पर हुई कार्रवाई



त्योहारों को देखते हुए किए तबादले

विभाग के पास पांच मंसारा, युपारी व तंत्राकृ के उपायों की आपूर्ति में कर चोरी की सरबो ज्यादा शिकायतें आती हैं। फिलहाल, त्योहारों के महेनजर अपारे कुछ दिनों में विभिन्न जिलों में विभिन्न प्रकार के मात्रा की आपूर्ति की जाती है। इक्षी के मद्देनजर 14 उप विधायक व 91 मुख्यमंत्री और 435 आरदियों के तबादले किए गए हैं।

अपर आयुक्त (पुलिस) राज्य कर ने जारी किए आदेश

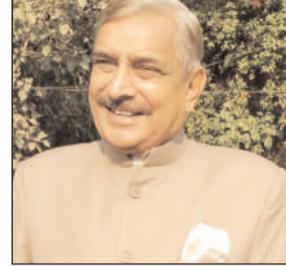
इस संबंध में अपर आयुक्त (पुलिस) राज्य कर एपी पांडे ने जारी आदेशों में कहा है कि पहली नवंबर से सभी पुलिसकर्मी अपने लाए खात्यों पर कार्रवाई की जाती है।

साथी विभागीय विधायक, अधिकारीयों की जांच की जाती है और संबंधित कार्रवाई की जाती है। लावे समय तक एक ही स्थान पर तैनात रहने के कारण कई बार पुलिसकर्मी व अधिकारीयों की सांझांकर कर चोरी करने वालों के साथ हो जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है।

साथी विभागीय विधायक, अधिकारीयों की मौद्दों में

सरकार भारतीय सेना का भी राजनीतिकरण कर रही

अवधानामा संवाददाता



लखनऊ। प्रमोट तिवारी, सासाद, उप नेता, राज्य सभा में कहा है कि भारतीय सूची काग्रेस के अध्यक्ष एवं राज्य सभा में नेता प्रतिष्ठक मलिकार्जन खड़े जी ने बहुत ही विचार तथा उपर्युक्त सवाल उत्तर्या है कि भारतीय जनतापारी अब भारतीय सेना की जारीनीतिकरण करने पर अमादा हो गयी है। अधिकारीयों को भारतीय सरकार द्वारा बाहरी गयी नीतियों के प्रवार - प्रसार के लिये सलिस किया जा रहा है। अर्थात् जब सेना के सैनिक छुट्टी पर अपने घर जायं तो वहाँ पर ये सरकार के प्रवार - प्रसार में लगे एक पुनःजी.ओ. से जुड़े और प्रचार प्रसार में जाच के तबादले किए गए हैं।

श्री तिवारी ने कहा है कि देश की सुधारों के लिये अपना जीवन समर्पित करने वाले हमारे जांबाज सैनिक छुट्टीयों में अपने परिवार जैसे के साथ रहने के लिये अपने घर जाते हैं, अपने परिजनों के प्रति अपने दावियों का निर्वाचन करने के लिये जाते हैं और उन पर अब भी अब उपर्युक्त सवाल के लिये जाते हैं।

श्री तिवारी ने कहा है कि देश की सुधारों के लिये अपना जीवन समर्पित करने वाले हमारे जांबाज सैनिक छुट्टीयों में अपने परिवार जैसे के साथ रहने के लिये अपने घर जाते हैं, अपने परिजनों के प्रति अपने दावियों का निर्वाचन करने के लिये जाते हैं और उन पर अब भी अब उपर्युक्त सवाल के लिये जाते हैं।

सरोजनीनगर में 'आपका विधायक, आपके द्वार' बना महाभियान

अवधानामा संवाददाता



सभी समस्याओं के लिये विधायक, अधिकारीयों के लिये विधायक का आशासन दिया गया। साथ ही विधायक डॉ राजेश्वर सिंह के संज्ञान में आता है।

विधानसभा क्षेत्र के भट्टाचार्य में जारीनीतिकरण का आपके द्वारा जनसुनवाई शिक्षण अब एक महाभियान का रूप ले रहा है। शिक्षिका विधायक के अन्वेषण से जारीनीतिकरण का आपका विधायक, आपके द्वारा जनसुनवाई शिक्षण का आयोजन हुआ है। जिसमें जारीनीतिकरण के लिये विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने लिये विधायक की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है।

विधानसभा क्षेत्र के लिये विधायक, आपके द्वारा जनसुनवाई शिक्षण का आयोजन हुआ है। जिसमें जारीनीतिकरण के लिये विधायक डॉ राजेश्वर सिंह के संज्ञान में आता है।

महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने अष्टमी पर कन्या पूजन कर पांव परखारे



अवधानामा संवाददाता

प्रथम चरण 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक घर-घर संपर्क करके जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है 6, 7, 8 फॉर्म देना है और चार और पांच नवंबर को मतदाता केंद्र पर उपर्युक्त बैलोंओं को दिलवाना है। द्वितीय चरण 25 नवंबर से 3 दिसंबर 2023 प्रत्येक बृहुत् पुनर्जीवन के लिये सक्रियता की जीवनीति की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है। जिसमें जारीनीतिकरण के लिये विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने लिये विधायक की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है।

प्रथम चरण 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक घर-घर संपर्क करके जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है 6, 7, 8 फॉर्म देना है और चार और पांच नवंबर को मतदाता केंद्र पर उपर्युक्त बैलोंओं को दिलवाना है। द्वितीय चरण 25 नवंबर से 3 दिसंबर 2023 प्रत्येक बृहुत् पुनर्जीवन के लिये सक्रियता की जीवनीति की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है। जिसमें जारीनीतिकरण के लिये विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने लिये विधायक की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है।

प्रथम चरण 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक घर-घर संपर्क करके जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है 6, 7, 8 फॉर्म देना है और चार और पांच नवंबर को मतदाता केंद्र पर उपर्युक्त बैलोंओं को दिलवाना है। द्वितीय चरण 25 नवंबर से 3 दिसंबर 2023 प्रत्येक बृहुत् पुनर्जीवन के लिये सक्रियता की जीवनीति की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है। जिसमें जारीनीतिकरण के लिये विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने लिये विधायक की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है।

प्रथम चरण 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक घर-घर संपर्क करके जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है 6, 7, 8 फॉर्म देना है और चार और पांच नवंबर को मतदाता केंद्र पर उपर्युक्त बैलोंओं को दिलवाना है। द्वितीय चरण 25 नवंबर से 3 दिसंबर 2023 प्रत्येक बृहुत् पुनर्जीवन के लिये सक्रियता की जीवनीति की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है। जिसमें जारीनीतिकरण के लिये विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने लिये विधायक की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है।

प्रथम चरण 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक घर-घर संपर्क करके जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है 6, 7, 8 फॉर्म देना है और चार और पांच नवंबर को मतदाता केंद्र पर उपर्युक्त बैलोंओं को दिलवाना है। द्वितीय चरण 25 नवंबर से 3 दिसंबर 2023 प्रत्येक बृहुत् पुनर्जीवन के लिये सक्रियता की जीवनीति की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है। जिसमें जारीनीतिकरण के लिये विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने लिये विधायक की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है।

प्रथम चरण 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक घर-घर संपर्क करके जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है 6, 7, 8 फॉर्म देना है और चार और पांच नवंबर को मतदाता केंद्र पर उपर्युक्त बैलोंओं को दिलवाना है। द्वितीय चरण 25 नवंबर से 3 दिसंबर 2023 प्रत्येक बृहुत् पुनर्जीवन के लिये सक्रियता की जीवनीति की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है। जिसमें जारीनीतिकरण के लिये विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने लिये विधायक की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है।

प्रथम चरण 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक घर-घर संपर्क करके जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है 6, 7, 8 फॉर्म देना है और चार और पांच नवंबर को मतदाता केंद्र पर उपर्युक्त बैलोंओं को दिलवाना है। द्वितीय चरण 25 नवंबर से 3 दिसंबर 2023 प्रत्येक बृहुत् पुनर्जीवन के लिये सक्रियता की जीवनीति की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है। जिसमें जारीनीतिकरण के लिये विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने लिये विधायक की जांच की जाती है और उनके बाहनों को जिकाल दिया जाता है।

प्रथम चरण 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक घर-घर संपर्क करके जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है 6, 7, 8 फॉर्म देना है और चार और पांच नवंबर को मतदाता केंद्र पर उपर्युक्त बैलोंओं को दिलवाना है। द्वितीय चरण 25 न

एमपी में मायावती बिगाड़ेंगी सियासी समीकरण! कांग्रेस के लिए यहां सपा से बड़ी चुनौती है बसपा

प्रत्याशी

“आंकड़ों के मुताबिक बहुजन समाज पार्टी में पिछले साल के चुनाव में तकरीबन 68 सीटों पर दूसरे और तीसरे नंबर पर उत्तर प्रत्याशी रहे थे।



भोपाल। मध्यप्रदेश में जैसे-जैसे विधानसभा के चुनाव के तारीख नजदीकी नहीं रही है, सियासी तरिप्पि भी बदली जा रही है। वैसे तो सियासी समीकरणों के लियां जग से मध्यप्रदेश में सीधे तौर पर लड़ाई भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की हो रही है, लेकिन एक पार्टी और भी है जो इस वक्त सियासी की तीसरे नंबर पर क्षेत्रों की स्वतंत्र बड़ी पार्टी भी है और आगे उस पार्टी का सही सियासी दंब चला है।

तो मध्यप्रदेश में बड़े-बड़े सियासी समीकरणों की गणित बिगाड़ सकती है। आंकड़ों के मुताबिक बहुजन समाज पार्टी की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह समाजवादी पार्टी है। इस वार बहुजन समाज पार्टी ने मध्यप्रदेश में सीधे तौर पर लड़ाई भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की हो रही है, लेकिन एक पार्टी और भी है जो इस वक्त सियासी की तीसरे नंबर पर क्षेत्रों की स्वतंत्र बड़ी पार्टी भी है और आगे उस पार्टी का सही सियासी दंब चला है। राजनीतिक विशेषक और

विषय पत्रकार उमंग सक्षेत्र कहते हैं कि कांग्रेस ने अपना जो भी सियासी आकलन किया हो और उसी आकलन के बाद ही कांग्रेस के लिए कोई सीट भले ही छोड़ी गई हो। लेकिन अभी भी असली खत्ता कांग्रेस के लिए सपा से ज्यादा बहुजन समाज पार्टी बन सकती है। उमंग कहते हैं कि आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि पिछले चुनाव में अगर समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस का नुकसान किया तो बहुजन समाज पार्टी ने भी मजबूती के साथ न सिफर कांग्रेस का नुकसान किया। बल्कि कुछ सीटों पर ऐसे सियासी समीकरण बैठे की भाजा पार्टी का भी थोड़ा बहुत नुकसान आया है।

उमंग कहते हैं कि मध्यप्रदेश की तकरीबन 68 सीटें ऐसी थीं, जहां पर बहुजन समाज पार्टी 2018 के चुनाव में दूसरे तौर पर नंबर पर रही थीं। इनमें कई सीटें तो ऐसी थीं जो की बहुजन समाज पार्टी के चलते ही

गाजा पर इस्लाइली हमलों के विरोध में मुस्लिम लीग का एलान, 26 को कोङ्ग्रेस में रैली आयोजित होगी

सुनवाई

“कुहालीकृष्णी ने कहा, ‘यह सब होने के बावजूद, पश्चिमी देश और यूरोपीय देश इस्राइल को अधिक समर्थन दे रहे हैं। उनके बीच इस्राइल का समर्थन करने के लिए होड़ मची है।’



मलपुरुष। इस्राइल-हमास संघर्ष को 17 दिन होने जा रहे हैं। छह हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूएफ में सहयोगी इंडियन यूनियन यूरियन मुस्लिम लीग (आईयूएफ) ने सोमवार को एलान किया है कि वह इस्राइल के हमलों को विरोध करने के लिए इस साथ एक बड़ी रैली आयोजित करेगा।

मलपुरुष। इस्राइल-हमास संघर्ष

को 17 दिन होने जा रहे हैं। छह हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूएफ में सहयोगी इंडियन यूनियन यूरियन मुस्लिम लीग (आईयूएफ) ने सोमवार को एलान किया है कि वह इस्राइल के हमलों को विरोध करने के लिए इस साथ एक बड़ी रैली आयोजित करेगा।

यहां गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि वीतों 24 घंटे में इस्राइल के हवाई हमले में 266 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हुई है, इनमें 117 बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि वीतों दो हफ्ते में इस्राइल के हमले में गाजा पट्टी में 4600 लोगों की मौत हुई है।

ग्रीष्म के प्रधानमंत्री किरियाकोस

तेल अवीव। इस्राइल के हमले में 30 फलस्तीनी नागरिकों की मौत की खबर है। फलस्तीनी मीडिया ने सोमवार को यहां दावा किया है। मीडिया रिपोर्टर्स के अनुसार, इस्राइल ने गाजा में एक रिहायरी इमरात को निशाना बनाया। जिस इमरात को निशाना बनाया गया, वह गाजा के जबलिया शरणार्थी कैप के अल-शुहाव इलाके में स्थित था। फलस्तीनी मीडिया के अनुसार, हमले के बाद इमरात पूरी तरह से तबाह हो गई और इमरात में मौजूद कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई।

यहां गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि वीतों 24 घंटे में इस्राइल के हवाई हमले में 266 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हुई है, इनमें 117 बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि वीतों दो हफ्ते में इस्राइल के हमले में गाजा पट्टी में 4600 लोगों की मौत हुई है।

एक कार दुर्घटना के बाद भारतवंशी बुजुर्ग सिख की बुरी तरह की पिटाई, सिर में चोट लगने से हुई मौत

समुदाय की रक्षा करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, ‘जसमें सिंह न्यूयॉर्क की एक व्यक्ति ने पीट पीट कर हवाया कर दी। शहर के मेयर एरिक एडम्स ने एक सिख की मौत पर शोक व्यक्त किया है। बता दें, न्यूयॉर्क में सिखों पर लगातार हमले हो रहे हैं। सिखों के लियां करीब एक सप्ताह में यह दूसरी दुखद घटना है।

अपनी दुखद मौत से कहाँ अधिक के हक्कार थे। सभी न्यूयॉर्क वासियों की ओर से, मैं चाहता हूं कि हमारा अग्र बुलावा हो गया। इस पर एंगिस्टन ने 911 पर फोन करने की कोशिश की तो उन्हें फोन छीन लिया। ऑंगस्टिन से अपना फोन लेने के लिए सिंह उसके पीछे जाने लगे। इस पर दोनों के बीच बहस होने लगी।

सिंह ऑंगस्टिन से कार आपस में टकरा गई थी। हादसे की वजह से कारों में खरोंच आ गई। इस पर एंगिस्टिन आग बुलावा हो गया। इस पर सिंह ने 911 पर फोन करने की कोशिश की तो उन्हें फोन छीन लिया। ऑंगस्टिन से अपना फोन लेने के लिए सिंह उसके पीछे जाने लगे। इस पर दोनों के बीच बहस होने लगी।

अपनी दुखद मौत से कहाँ अधिक

के हक्कार थे। सभी न्यूयॉर्क वासियों

की ओर से, मैं चाहता हूं कि हमारा अग्र बुलावा हो गया। इस पर सिंह ने 911 पर फोन करने की कोशिश की तो उन्हें फोन छीन लिया। ऑंगस्टिन से अपना फोन लेने के लिए सिंह उसके पीछे जाने लगे। इस पर दोनों के बीच बहस होने लगी।

अपनी दुखद मौत से कहाँ अधिक

के हक्कार थे। सभी न्यूयॉर्क वासियों

की ओर से, मैं चाहता हूं कि हमारा अग्र बुलावा हो गया। इस पर सिंह ने 911 पर फोन करने की कोशिश की तो उन्हें फोन छीन लिया। ऑंगस्टिन से अपना फोन लेने के लिए सिंह उसके पीछे जाने लगे। इस पर दोनों के बीच बहस होने लगी।

अपनी दुखद मौत से कहाँ अधिक

के हक्कार थे। सभी न्यूयॉर्क वासियों

की ओर से, मैं चाहता हूं कि हमारा अग्र बुलावा हो गया। इस पर सिंह ने 911 पर फोन करने की कोशिश की तो उन्हें फोन छीन लिया। ऑंगस्टिन से अपना फोन लेने के लिए सिंह उसके पीछे जाने लगे। इस पर दोनों के बीच बहस होने लगी।

अपनी दुखद मौत से कहाँ अधिक

के हक्कार थे। सभी न्यूयॉर्क वासियों

की ओर से, मैं चाहता हूं कि हमारा अग्र बुलावा हो गया। इस पर सिंह ने 911 पर फोन करने की कोशिश की तो उन्हें फोन छीन लिया। ऑंगस्टिन से अपना फोन लेने के लिए सिंह उसके पीछे जाने लगे। इस पर दोनों के बीच बहस होने लगी।

अपनी दुखद मौत से कहाँ अधिक

के हक्कार थे। सभी न्यूयॉर्क वासियों

की ओर से, मैं चाहता हूं कि हमारा अग्र बुलावा हो गया। इस पर सिंह ने 911 पर फोन करने की कोशिश की तो उन्हें फोन छीन लिया। ऑंगस्टिन से अपना फोन लेने के लिए सिंह उसके पीछे जाने लगे। इस पर दोनों के बीच बहस होने लगी।

अपनी दुखद मौत से कहाँ अधिक

के हक्कार थे। सभी न्यूयॉर्क वासियों

की ओर से, मैं चाहता हूं कि हमारा अग्र बुलावा हो गया। इस पर सिंह ने 911 पर फोन करने की कोशिश की तो उन्हें फोन छीन लिया। ऑंगस्टिन से अपना फोन लेने के लिए सिंह उसके पीछे जाने लगे। इस पर दोनों के बीच बहस होने लगी।

अपनी दुखद मौत से कहाँ अधिक

के हक्कार थे। सभी न्यूयॉर्क वासियों

की ओर से, मैं चाहता हूं कि हमारा अग्र बुलावा हो गया। इस पर सिंह ने 911 पर फोन करने की कोशिश की तो उन्हें फोन छीन लिया। ऑंगस्टिन से अपना फोन लेने के लिए सिंह उसके पीछे जाने लगे। इस पर दोनों के बीच बहस होने लगी।

अपनी दुखद मौत से कहाँ अधिक

के हक्कार थे। सभी न्यूयॉर्क वासियों

की ओर से, मैं चाहता हूं कि हमारा अग्र बुलावा हो गया। इस पर सिंह ने 911 पर फोन करने की कोशिश की तो उन्हें फोन छीन लिया। ऑंगस्टिन से अपना फो

आज मनाया जाएगा सत्य और न्याय की जीत का प्रतीक दशहरा

अवधानामा संवाददाता

मौदहा हमीरपुर। कस्ता मौदहा जो सदैव से गंगा जमनी तहजीब प्रतीक रहा है। हमेसा यहां बुजुंगों ने एक दूसरे के साथ मिलजुल कर त्वाहर बनाये बुजुंगों की डाली वह बुनियाद आज भी मौदहा में जिन्दा है। नौ दिनों तक जाह देवीं पंडालों में रोनक रहती। आज दशहरा का



पुतले बनाए गए हैं प्रशासन व पुलिस बल का जगह-जगह चाक चैबंद इंटजाम है गत शाम पुलिस भगवान शिव का परम भक्त था वह प्रकाढ़ विद्वान् थी था मान्यता है कि लोग इसहरे के दिन शशी वृश्च की पूजा व नीलकंठ पूजी के दर्शन करते हैं की विवास्या की गई है लगभग रात 9:30 बजे रावण दलन अलग-अलग स्थान पर भगवान राम के द्वारा किया जाएगा बताते हैं आज से लगभग 7300 वर्ष पूर्व त्रेता युग में भगवान शिव का रूप ही बताते हैं।

दबंगों ने ईट और सब्ल से किया युवक पर जानलेवा हमला

अवधानामा संवाददाता

राठ-हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के ओती गांव में रही देवी पंडल के नीचे उस बक्तव्य हांगा कर गया जब दबंगों ने एक युवक के ऊपर ईट और सब्ल से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राठ में भर्ती कराया जाहां औपचारिक इलाज के दौरान जिला अस्पताल हमीरपुर रेफर कर दिया हालात नाजुक देखते हुए दबंगों ने एक युवक के ऊपर ईट और सब्ल से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल जसलेवा पुरु अमन नारायण निवासी औता ने बताया कि गांव में खानी गली में सजे देवी पंडल नवलपुर में युवक सर्विस की मीठी चालू कर दी जिसको समिति के सदस्यों ने मना किया तो मीठी को नगरार जुरा।

○ गरबा व डांडिया उत्सव देखने के लिये ऐन्सागर में उमड़ा जनतेलाव

अवधानामा संवाददाता

सोनभद्र/विवंधनगढ़। एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना में धूम-धाम से दुर्गा उत्सव मनाया जा रहा है। यह कार्यक्रम 15 अक्टूबर 2023 से 24 अक्टूबर 2023 तक बड़ी धूम धाम से मनाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे फैन्सी ड्रेस, नृत्य, शंखनाद, चिरकला प्रतियोगिता, डांडिया प्रतियोगिता, गीत-गायन प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में एनटीपीसी विंध्याचल पुजा जनताएं समिति द्वारा दुर्गा दुर्गा आदि शक्ति के देवी को देखने के लिए देवी पंडल के अध्यक्ष हूं रात 8 बजे मनीष पुरु हमेशे बिंद ने आकर साँड़ सर्विस की मीठी चालू कर कर दी जिसको समिति के सदस्यों ने मना किया तो मीठी को नगरार जुरा।



मां दुर्गा को लगाया गया। तपत्थात सुभा भारद्वाज एवं उपस्थित अद्य मुख्य अतिथि परियोजना को प्रमुख (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार, अध्यक्ष (सुहारिनी संघ) सरोजा फणि कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुक्रमण) राजेश की अवधारण पर सर्वप्रथम चने की सूची, खीर, पूड़ी, हलवा का भोज

देवी भक्तों को हल्लवा वितरित किया निरीक्षण

अवधानामा संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश का बांदा जनपद आपसी सौहार्द के लिए पूरे देश में जाना जाता है। सभी धर्मों के पवित्रों में यहां हिन्दू-मुस्लिम सिख ईस्ट आपस में खांभाई खांभी की विचाराधारा खूब सफाई के अवश्यक निरेंद्र दिए गए।

गौशाला में भूसा पर्वत द्वारा

ने महेश्वरी देवी मंदिर के बाहर देवी भक्तों को हल्ले का प्रसाद वितरित किया। सभी को मीठा मुमताज अली के द्वारा काली माता को लगाया गया।

मरियां देवी को लगाया गया।

